Initiative 21

लर्निंग गैप्स को कम करने के लिए मल्टीमीडिया रणनीतियों का उपयोग

श्री टेकचदं

राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय

(2529), खोरी, रेवाडी हरियाणा

gssskhori2529@gmail.com

The School Context

राजकीय आदर्श विद्यालय,वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय यह हरियाणा के रेवाड़ी जिले के खोरी गांव में स्थित है। स्कूल का प्रबंधन शिक्षा विभाग द्वारा किया जाता है। यह एक ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। स्कूल सह-शैक्षिक है।

Challenges faced due to School Closure

लॉकडाउन (कोविड-19) के दौरान विद्यालय के समक्ष चुनौतियाँ ज्यों ही कोरोना कहर के चलते स्कूल बंद हुए सबसे बड़ी चुनौती ऑनलाइन लर्निंग को लेकर थी, जिसमें विद्यार्थी तो दूर स्वयं शिक्षक भी पूरी तरह से वाकिफ एवं पारंगत नहीं थे। मैंने सबसे पहले विद्यालय के इन सभी टीचर्स का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया, जो आईटी फ्रेंडली थे। फिर धीरे-धीरे और दायरे को बढ़ाया ताकि अधिकतर टीचर्स को ऑनलाइन टीचिंग के **लिए** तैयार किया जा सके।

अब दिक्कत थी विद्यार्थियों के व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ने की। बड़ी चुनौती थी कि आधे से ज्यादा विद्यार्थियों के पास स्मार्टफोन नहीं थे। प्रारंभिक तौर पर जिन बच्चों के पास स्मार्टफोन थे, इन्हीं को कक्षा बार व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़कर पहले ऑनलाइन बातचीत की फिर धीरे-धीरे थोड़ी-थोड़ी पढ़ाई प्रारंभ करवाई। इससे अन्य बच्चों में रुचि जगी और करीब 80 प्रतिशत के पास मोबाइल फोन उपलब्ध हो गए। एक ऑनलाइन बैठक में मैंने सभी टीचर्स से आग्रह किया कि इनके पास पुराने स्मार्टफोन घर पर बेकार पड़े हों तो इन्हें संबंधित बच्चों तक पहुँचाएँ। यह पक्ष भी बेहद कारगर रहा और कुछ मेधावी किन्तु जरूरतमंद बच्चों को संबंधित फोन दिए गए। इस प्रकार धीरे-धीरे ऑनलाइन कक्षाएँ पटरी पर आ गईं।

Innovative Leadership Practices for mitigating learning gaps

कोविड-19 के दौरान विद्यालयी कार्यों एवं छात्र अधिगम को सुनिश्चित करने के लिए नवाचारी विचार कोविड-19 के दौरान हमारे विद्यालय परिवार की पूरी टीम अनेक नवाचारी कदम उठाएं। विद्यालय की विज्ञान संकाय के सभी टीचर्स ने अपने यूट्यूब चैनल प्रारंभ किए जिन पर संबंधित विषय का पाठ्यक्रम नियमित रूप से डाला जाता था। रविवार को कोई पढ़ाई नहीं होती थी। हर रविवार को अभिभावकों तथा विद्यार्थियों से कोविड-19 चुनौतियों को लेकर बातचीत की जाती थी, जिनकी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का निवारण किया जाता था। इससेअभिभावक, विद्यार्थी तथा टीचर्स बेहद करीब आ गए। हर सोमवार को साप्ताहिक विषय वार टेस्ट रखा जाता था जिसमें बच्चे वस्तुनिष्ठ प्रारूप को मोबाइल पर ही सबमिट कर देते थे। इस प्रारूप में टीचर्स तथा बच्चे दोनों ही निरंतर नए अनुभव साझा कर रहे थे तथा निरंतर कुछ नया सीख भी रहे थे, यह सब इन विचारों पर आधारित था।

https://www.youtube.com/watch?v=sSIS_eG7kGo&list=PLSiPjXQ11pfac7VJn9ya1_JxSjbU

Collaboration with community and parents to ensure student learning

कोविड-19 के दौरान विद्यालयी कार्यों एवं छात्र अधिगम को सुनिश्चितकरने के लिए SMC के सदस्यों, अभिभावकों एवं समाज का सहयोग विद्यालय हर रविवार को प्रारंभ से ही विद्यार्थियों तथा अभिभावकों से ऑनलाइन संवाद करता था, जिसके चलते पीटीएम तथा स्कूल प्रबंधन समिति की गतिविधियों को व्यवहारिक बनाए रखने में मदद मिली। स्कूल प्रबंधन समिति के माध्यम से ही नई दिशाओं में मदद मिली। दिलचस्प पहलूयह रहा कि जिन विद्यार्थियों तथा अभिभावकों से आमने सामने टीचर्स कभी मिले नहीं, उनसे आंसत एक बैठकों में विभिन्न मुद्दों पर खुलकर विमर्श होता था।

https://www.youtube.com/watch?v=sSIS_eG7kGo

Way Forward

एवं छात्र अधिगम को सुनिश्चित करने एवं लॉकडाउन (कोविड-19) के दौरान विद्यालय के समक्ष चुनौतियों का सामना करने के लिए विद्यालय की तैयारी पिछले सत्र में कोरोना के चलते वर्चुअल संवाद के बावजूद शैक्षिक माहौल पर बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। खासकर विद्यार्थियों को मनोवैज्ञानिक तौर पर भारी कठिनाइयों से जूझना पड़ा। उनकी दिनचर्या ऑनलाइन टीचिंग के बावजूद नीरस हो चली थी। इन सभीपक्षों को ध्यान में रखकर विद्यालय परिवार ने शैक्षिक सत्र 2021-2022 के लिए अपना रोडमैप तैयार किया, जिसमें ऑनलाइन संस्कृत, शैक्षिक प्राथमिकताओं को शामिल किया गया।

उधर विभाग ने भी बाल कल्याण उत्सव, कानूनी साक्षरता आदि प्रतियोगिताओं को ऑनलाइन करवाने का निर्णय लिया। इन सबकी गतिविधियों का कुशल संयोजन एवं संचालन करके विद्यालय में इस सत्र में पुनः विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की गतिविधियों को प्रारंभ किया गया।

ई-लर्निंग के लिए आनलाइन बैठक हुई

जासं, रेवाड़ी : गांव खोरी स्थित राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 21 जून से प्रारंभ हो रहे नए ई-लर्निंग प्रारूप के विभिन्न पक्षों को विद्यार्थियों तथा अभिभावकों से साझा करने के लिए आनलाइन बैठक आयोजत की गई। इसकी अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य टेकचंद ने की। बैठक में जहां स्टाफ सचिव मुकेश कुमार सैनी ने 21 जून से आनलाइन शिक्षण के नए प्रारूप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वही कंप्यूटर विज्ञान के प्राध्यापक पवन कुमार ने अवसर-एप, गूगल मीट, साप्ताहिक क्विज आदि से जुड़ी रोचक जानकारियां दी। विद्यालय के दाखिला प्रभारी प्राध्यापक कैलाश चंद्र, निशुल्क छात्रा वाहिनी के प्रभारी अजीत सिंह, मौलिक मुख्याध्यापक सुरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों तथा अभिभावकों की संबंधित जिज्ञासाओं का निवारण किया। एबीआरसी निर्मला देवी ने 21 जून से एक माह तक चलने वाली योग प्रश्नोत्तरी की विस्तृत जानकारी दी। प्राचार्य टेकचंद ने आनलाइन शिक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रभावी बनाने के लिए आपसी तालमेल पर बल दिया।

छात्र अधिगम को सुनिश्चित करने के लिए SMC के सदस्यों,अभिभावकों एवं समाज के सहयोग को सुनिश्चित करने की योजना इस सत्र में सबसे पहले स्कूल प्रबंधन समितियों को कोरोना जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में ऑनलाइन प्रारूप के महत्व के बारे में न केवल समझाया, अपितु उन्हें प्रोत्साहित किया ताकि पुनः ऐसी स्थिति होने पर वह ऑनलाइन विद्यालय से जुड़े रहें। इसी प्रकार पीटीएम के माध्यम से अभिभावकों को "अभी भी दो गज की दूरी, मास्क जरूरी, दवाई भी-कड़ाई भी" जैसे पहलू को व्यवहार में उतारने के लिए प्रेरित किया। इतना ही नहीं, ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण के लिए भी विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा स्कूल प्रबंधन समिति के माध्यम से माहौल बनाया गया।

विद्यालय के ऑनलाइन प्रारूप की रचनात्मकता का अंदाजा इस पहलू से लगाया जा सकता है कि कोरोना के हाल में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित की गई कला उत्सव तथा सांस्कृतिक उत्सव जैसी प्रतियोगिताओं में विद्यालय खंड तथा जिला स्तर पर ओवरऑल विजेता रहा। इसी प्रकार ऑनलाइन टीचिंग गुणात्मक दृष्टि से बेहतरीन रहने की वजह से विद्यालय की छात्र संख्या खंड स्तर पर सर्वाधिक रही।

एससीइआरटी की पॉपुलेशन एजुकेशन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित करवाई गई एक प्रतियोगिता में खोरी स्कूल हरियाणा भर में विजेता रहा, जिसमें ऑनलाइन प्रारूप में विद्यार्थियों तथा इनके माता-पिता को घर में योग के महत्व पर नाट्य प्रस्तुति करनी थी। साप्ताहिक बैठक में अभिभावकों को इस बारे में बताया गया कि दसवीं कक्षा की छात्रा मिन्ना, इसकी नवमी कक्षा की बहन सपना तथा छठी कक्षा की कोमल ने अपने माता-पिता के साथ मिलकर संबंधित नाट्य तैयार किया, फोन से रिकॉर्ड करके SCERT भेजा। कुल मिलाकर ऐसी परिस्थितियों में विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा टीचर्स को ज्यादा से ज्यादा वर्चुअल संवाद से संबंधित चुनौतियों व समस्याओं से पार पाया जा सकता है।